खबर संक्षेप

बलबहरा डबल मर्डर केस में चार आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। बुढ़ार थाना पुलिस ने ग्राम बलबहरा में हुई दोहरी हत्या के मामले में फरार चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी बुढ़ार के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी अमित साहू, विशाल शाह, शिवम यादव और आकाश मलिक को पकड़ा। ये सभी अमलाई क्षेत्र के निवासी हैं। ज्ञात हो कि 21 अक्टूबर को दो पक्षों में रंजिश के चलते हुई मारपीट में राकेश तिवारी और राहुल तिवारी की मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।

एसी थर्ड कोच में घुसा पानी

शहडोल। शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस के एसी थर्ड कोच में गुरुवार रात यात्रियों को बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ा, जब कोच के भीतर पानी भर गया। यात्रियों के बैग और सीटें पूरी तरह भीग गईं। सफाई कर्मियों ने बताया कि कोच की पानी की टंकी फट जाने से पानी पूरे डिब्बे में फैल गया। इससे न केवल यात्रियों के सामान खराब हुए बल्कि एसी कोच में पानी खत्म हो जाने के कारण शौचालय और अन्य सुविधाएं भी ठप हो गईं। यात्रियों ने रेल प्रबंधन से तत्काल मरम्मत और उचित सफाई व्यवस्था की मांग की है।

जिला कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक संपन्न

संगठन सुदृढ़ीकरण और मतदाता सत्यापन अभियान पर हुआ मंथन

शहडोल। जिला कांग्रेस कमेटी की समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को कांग्रेस भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रभारी विधायक नारायण पट्टा ने की, जबकि कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी की सहमति से संगठन से जुड़े कई अहम विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में विधायक पट्टा ने समन्वय समिति के सभी सदस्यों से विचार-विमर्श करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावी परिस्थिति को देखते हुए हर कार्यकर्ता को सक्रिय रहना होगा तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना होगा। बैठक के दौरान संगठन के विस्तार और कार्यपद्धति में सुधार के संबंध में कई प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक के पश्चात विधायक नारायण पट्टा ने जिले के सभी ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्षों के साथ भी विशेष बैठक की। इस दौरान उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची सत्यापन कार्य की समीक्षा की और कांग्रेस द्वारा नियुक्त बी.एल.ए.-2 प्रतिनिधियों को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से कार्य करें, ताकि कोई पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर विधायक पट्टा ने संगठन में एकता और अनुशासन को कांग्रेस की मूल शक्ति बताया और सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया।बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह, जनपद अध्यक्ष उमा धुर्वे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेन्द्र मरावी, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम गौतम, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष प्रीतेश द्विवेदी, मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शव खेत में दफनाया, दो दिन में दूसरी मां की हत्या से सिहर उठा जिला

जादू-टोना के शक में बेटे ने मां को पीट-पीटकर मार डाला

शहडोल जिले में अंधविश्वास का खौफनाक चेहरा एक बार फिर सामने आया है। दो दिन के भीतर जिले में दूसरी बार बेटे ने अपनी ही मां की हत्या कर दी। पहली वारदात ब्यौहारी के बरकछ गांव की थी, जहां बेटे ने मां को मारकर शव के साथ दो दिन तक घर में बैठा रहा और अब झींकबिजुरी चौकी के कुटेला गांव में जादू-टोना के शक में बेटे ने अपनी मां की जान ले ली।

शहडोल।

शहडोल में फिर उफना अंधविश्वास

जिले के झींकबिजुरी चौकी अंतर्गत ग्राम कुटेला में घटित एक हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। यहां 25 वर्षीय युवक ने अंधविश्वास और जादू-टोना के शक में अपनी ही मां प्रेमबाई उम्र 45 वर्ष की कुल्हाड़ी और डंडों से निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद बेटे ने अपने चाचा के लडक़े और अन्य परिजनों के साथ मिलकर शव को खेत में दफना दिया, ताकि कोई साक्ष्य न बचे। यह दिल दहला देने वाली वारदात 6 नवंबर की रात की बताई जा रही है। पुलिस को जानकारी तब मिली जब गांव के सरपंच को शक हुआ और उसने चौकी में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने खेत की खुदाई कर शव बरामद किया। जब मिट्टी से महिला का शव बाहर निकाला गया, तो पूरा गांव सन्न रह गया। ग्रामीणों की आंखें नम थीं, किसी को विश्वास नहीं हो रहा था कि एक बेटा इतनी बेरहमी से अपनी मां की हत्या कर सकता है।

बेटे की गवाही में झलका अंधविश्वास

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सत्येंद्र सिंह अपने चाचा कमलेश सिंह की अचानक हुई मृत्यु के बाद से अपनी मां पर जादू-टोना करने का संदेह करने लगा था। उसका कहना था कि उसकी पत्नी और बच्चे बार-बार बीमार पड़ते हैं और इसका कारण मां के काले जादू को मानता था। इसी अंधविश्वास की आग में उसने खून का रिश्ता तोड़ दिया। घटना की रात आरोपी ने अपने चाचा के बेटे ओमप्रकाश सिंह के साथ मिलकर मां पर हमला बोल दिया। प्रेमबाई लगातार बेटे से रहम की भीख मांगती रही, बेटा, मत मार, मैं तेरी मां हूं, लेकिन सत्येंद्र का दिल पत्थर बन चुका था। वह तब तक वार करता रहा जब तक मां की सांसें थम नहीं गईं। जब मां की मौत हो गई, तो दोनों ने परिवार के तीन अन्य सदस्यों गुलाब सिंह, अमन सिंह और अमोद सिंह की मदद से शव को खेत में गड्ढा खोदकर दफना दिया।

दो दिन बाद खुला राज

दो दिन तक परिवार ने गांव में किसी को भनक नहीं लगने दी, लेकिन ग्रामीणों को प्रेमबाई के न दिखने पर शक हुआ। सरपंच ने जब पूछताछ की, तो घरवालों के जवाब टालमटोल वाले लगे। इसके बाद सूचना पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खेत की खुदाई कर शव निकाला और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस घटना में पुलिस ने सत्येंद्र सिंह पुत्र, ओमप्रकाश सिंह भतीजा, गुलाब सिंह, अमन सिंह और अमोद सिंह कुल पांच आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। डीएसपी हेडक्वार्टर राघवेंद्र द्विवेदी ने बताया प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि पुत्र ने जादू-टोना के शक में अपनी मां की हत्या की और शव को खेत में दफनाया। साक्ष्य मिटाने में परिवार के अन्य सदस्यों की भी भूमिका सामने आई है। सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और आईपीसी की धारा 302, 201 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अंधविश्वास की जकड़ में जिला

महज दो दिन पहले शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम बरकछ में भी एक दर्दनाक घटना सामने आई थी। वहां एक बेटे ने अपनी मां सविता कोल की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी, सिर्फ इसलिए क्योंकि मां उसे पढ़ाई के लिए टोकती थी। हत्या के बाद आरोपी बेटा दो दिन तक शव के साथ घर में ही बैठा रहा। इन दोनों घटनाओं ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। जिले में लगातार दो दिनों के भीतर मां की हत्या के दो मामले सामने आने से प्रशासन और समाज दोनों चिंतित हैं। लगातार घट रही ऐसी घटनाएं बताती हैं कि शिक्षा और आधुनिकता के बावजूद अंधविश्वास की जड़ें कितनी गहरी हैं।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन का प्रांतीय सम्मेलन कल

शहडोल।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन, मध्यप्रदेश का प्रांतीय सम्मेलन एवं महासमिति की बैठक आगामी 9 नवम्बर 2025 को जबलपुर में आयोजित होगी। प्रांतीय महासचिव के.एस. ठाकुर ने बताया कि आयोजन प्रांतीय अध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार दुबे के नेतृत्व में तिलवारा रोड, सगड़ा स्थित होटल रॉयल-इन में होगा। सम्मेलन में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ संयुक्त पेंशनर फेडरेशन के 28 पदाधिकारी, संगठन के 118 सदस्य एवं आयोजन समिति के 30 प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम दो सत्रों में होगा, पहला सत्र प्रातः 11 से 1 बजे तक फेडरेशन की बैठक, दूसरा सत्र दोपहर 2 बजे से प्रांतीय महासभा की बैठक के रूप में आयोजित होगा। मुख्य अतिथि ऑल इंडिया स्टेट पेंशनर फेडरेशन (नई दिल्ली) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सालिक मौलिकर होंगे, जबकि अध्यक्षता दुबे जी करेंगे। इस अवसर पर पेंशनरों की समस्याओं, आंदोलन की रूपरेखा और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा होगी। मीडिया प्रभारी आर.बी. सगर ने बताया कि सम्मेलन में इंदौर, भोपाल, सागर, शहडोल, रीवा, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभागों के पदाधिकारी शामिल होंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए जबलपुर टीम पूरी तैयारी में जुटी है।

बैंक मित्र और पति पर महिला समूहों की रकम हड़पने का आरोप

पीड़ित महिलाओं ने खोली आजीविका मिशन की पोल

शहडोल

जिले के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की आत्मनिर्भरता का प्रतीक माने जाने वाले महिला स्वसहायता समूह अब कुछ भ्रष्ट बैंक मित्रों की मनमानी का शिकार बन रहे हैं। ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां गोहपारू विकासखंड के कई ग्रामों की महिलाओं ने बैंक मित्र कविता साहू और उनके पति रामप्रवेश साहू पर लाखों रुपये की हेराफेरी, गबन और धमकाने के आरोप लगाते हुए संभागायुक्त शहडोल को ज्ञापन सौंपा है। महिलाओं ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि बैंक मित्र कविता साहू ने समूहों की लोन राशि को नियमों के विपरीत तरीके से अपने निजी उपयोग में ले लिया। यही नहीं, उन्होंने विभिन्न महिला समूहों उमरिया, पथर, धनहा, बरकठा और एनएसईएस आदि की 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि भी अपने परिवार के बैंक खाते में ट्रांसफर करवा ली। महिलाओं का कहना है कि यह पूरा खेल भ्रष्टाचार की गंध से सना हुआ है, जिसमें बैंक मित्र और उनके पति की मिलीभगत के साथ आजीविका मिशन के कुछ अधिकारी भी शामिल हैं।

पति-पत्नी की जोड़ी बनी भ्रष्टाचार की मिसाल

ज्ञापन में महिलाओं ने खुलासा किया कि कविता साहू के पति रामप्रवेश साहू भी इस पूरे नेटवर्क में सक्रिय हैं। वे समूहों की महिलाओं पर दबाव बनाते हैं और उन्हें अपनी बात मानने के लिए धमकाते हैं। कई समूहों की महिलाओं के बचत खातों और ऋण खातों से रकम बिना अनुमति के निकाली गई, लेकिन आज तक उसका कोई हिसाब नहीं दिया गया। आरोप है कि पति-पत्नी ने मिलकर करीब 15 लाख रुपये से अधिक की रकम का गबन किया है। महिलाओं ने कहा कि दोनों ने बैंक और मिशन के अधिकारियों की शह पर भूमि और भवन निर्माण के नाम पर भी रकम निकाल ली, जबकि उसका कोई सत्यापन तक नहीं कराया गया।

नौवीं फेल निकली बैंक मित्र

महिलाओं ने यह भी बताया कि आजीविका मिशन के तहत बैंक मित्र के पद पर हायर सेकेंडरी या हाईस्कूल पास महिला को नियुक्त किया जाना चाहिए, लेकिन कविता साहू सिर्फ 9वीं कक्षा तक शिक्षित हैं। फिर भी, अधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखकर उन्हें नियुक्त किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि अजीविका मिशन के जिम्मेदार अधिकारी जानबूझकर ऐसे लोगों को तैनात करते हैं जो उनके इशारे पर भ्रष्टाचार के खेल में साथ दें। महिलाओं ने यह भी बताया कि शिकायतों के बाद बैंक मित्र कविता साहू ने 45 हजार रुपये वापस जमा किए, जो उन्होंने पहले समूहों की रकम से निकाल लिए थे। इससे साफ है कि मामला न सिर्फ संदिग्ध है, बल्कि भ्रष्टाचार का ठोस सबूत सामने आ चुका है।

भ्रष्ट अधिकारी बनाए गए जांचकर्ता

महिलाओं ने संभागायुक्त से इस बात पर भी आपत्ति जताई है कि मामले की जांच उसी विभाग के अधिकारियों से कराई जा रही है, जिन पर मिलीभगत का आरोप है। उन्होंने कहा कि जिला परियोजना अधिकारी अजय सिंह बघेल के माध्यम से जांच कराई जा रही है, जबकि वही अधिकारी इस पूरे भ्रष्टाचार के जाल में शामिल बताए जा रहे हैं। महिलाओं ने कहा कि भ्रष्टाचार की जांच अगर भ्रष्ट अफसर ही करेंगे, तो सच्चाई कभी सामने नहीं आएगी। मामले को दबाने की कोशिशें भी शुरू हो चुकी हैं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि सेंट्रल बैंक बरकोड़ा शाखा के कैशियर बालकरण यादव कुछ बीती रात के अंधेरे में उनके घर पहुंचा और धमकाने की कोशिश की। महिलाओं ने कहा कि यह घटना यह साबित करती है कि पूरे प्रकरण को दबाने के लिए एक सुनियोजित तंत्र काम कर रहा है।

सख्त जांच और कार्रवाई की मांग

महिलाओं ने संभागायुक्त से मांग की है कि इस पूरे घोटाले की जांच स्वतंत्र एजेंसी या किसी अन्य जिले के अधिकारी से कराई जाए। उन्होंने कहा कि बैंक के सीसीटीवी फुटेज, खातों के लेनदेन और समूह रजिस्टर की जांच से पूरी सच्चाई उजागर हो सकती है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो वे कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन करेंगी और जिम्मेदारों को बेनकाब करने का अभियान चलाएंगी। ज्ञापन पर धनवंती बाई, मीरा बाई, छुई बाई, उमरिया बाई, भवानी सिंह, गीता बाई सहित कई महिला सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। महिलाओं की यह शिकायत सिर्फ एक भ्रष्ट बैंक मित्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सवाल उठाती है कि आखिर सरकारी योजनाओं के नाम पर गरीब महिलाओं की मेहनत की कमाई कब तक भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ती रहेगी?

न्यायालय परिसर में संपन्न हुआ विशेष सफाई अभियान

जयसिंहनगर। न्यायालय परिसर जयसिंहनगर में विशेष सफाई अभियान का आयोजन सेवा दिवस के रूप मे सम्पन्न हुआ, स्वक्छ भारत अभियान की दृष्टि से न्यायलय परिसर मे आयोजित सफाई अभियान मे मुख्य रूप से अपर सत्र न्यायाधीश शिवलाल केवट, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1 सुश्री कीर्ति उइके, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 सुश्री लघुता मरकाम,

नाजिर धर्मदास पटेल, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ दुर्गा प्रसाद तिवारी,वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष तिवारी, राजेंद्र गौतम, राजेश मिश्रा, लाल कमल मिश्रा, नारेन्द्र शुक्ला, पुष्पेंद्र सिंह, रूद्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

जीवन में स्वच्छता का है विशेष महत्व

विशेष सफाई अभियान मे उपस्थित रहे अपर सत्र न्यायाधीश शिवालाल केवट ने न्यायालय परिसर मे उपस्थित अधिवक्ताओ को सम्बोधित करते हुए न्यायालय परिसर मे साफ सफाई बनाएं रखने के लिए कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओ के साझा प्रयास की आवश्यकता है, उन्होंने कहा की जिस प्रकार हम अपने घर मे साफ सफाई का ध्यान रखते है, उसी प्रकार हमें हमारे कार्य क्षेत्र न्यायालय परिसर मे भी स्वच्छता का ध्यान देकर आम जनमानस को साफ-सफाई एवं स्वक्छता अभियान के लिए प्रेरित करना है, यही हम सभी की तरफ से राष्ट्रपिता गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होंगी। न्यायालय परिसर मे स्वच्छता ही सेवा के क्रम मे प्रत्येक माह निश्चित तारीख मे नियमित रूप स्वच्छता अभियान सेवा दिवस के रूप मे मनाया जाएगा।

शहडोल नगर में भागवत ज्ञान महायज्ञ का हुआ भव्य आयोजन

शहडोल। नगर के बुढार रोड स्थित डी सदन मैरिज गार्डन में श्रीमद् भागवत कथा का हुआ भव्य आयोजन चित्रकूट की पावन भूमि से पधारे प्रातः स्मरणीय परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री स्वामी बदरी प्रपन्नाचार्य जी महाराज शहडोल की दिव्य भूमि में श्री मदभागवत की कथा का रसास्वादन कराने के लिए पधारे हैं, जिस कथा का सुंदर संकल्प चंद्रशेखर वर्मा ने लिया है, कथा का प्रारंभ विसाल शोभायात्रा के साथ हुआ और कथा का प्रारंभ हुआ, जिसमें पुराण पूजन व्यास पूजन और श्री मदभागवत जी का महात्म दर्शन कराया। आज की कथा में पूज्य गुरदेव भगवान ने ध्रुव जी का सुंदर चरित्र सुनाया जिसको सुनके हम संसारी मानवों को सीखना चाहिए कि भजन की कोई उम्र नहीं होती ध्रुव जी ने 5 वर्ष की आयु में भजन कर के भगवान को प्राप्त कर लिया कपिल देव जी का सुंदर चरित्र सुनाया जो हमे सिखाता है कि भगवान की भक्ति कैसे करना चाहिए । कलश शोभायात्रा में सैकड़ो की संख्या में भक्तगण बने कलश यात्रा शामिल होकर धूमधाम पूर्ण भक्ति भाव से साथ कलश यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ उठाया, सात दिवसीय संगीतमय भागवत कथा में आप सभी भक्तगण भी अधिक से अधिक संख्या में पधारकर पुण्य लाभ लें ।

ओबरा में बिजली कर्मचारियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

संगठन की एकता और अधिकारों की रक्षा पर जोर

शहडोल। बिजली कर्मचारियों के अधिकारों और संगठन की मजबूती को लेकर ओबरा में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 6 से 8 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में देशभर से आए श्रमिक नेताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य मंच पर मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कर्मचारी जनता यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष के.डी. द्विवेदी एडवोकेट और प्रांतीय सचिव एस.के. तिवारी एडवोकेट (शहडोल) सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सम्मेलन में प्रमुख वक्ता के रूप में कामरेड मोहन शर्मा (ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लॉयज, नागपुर), कामरेड बैजनाथ प्रसाद सिंह (झारखंड), कामरेड महेंद्र राय (लखनऊ), कामरेड अजय सिंह (ओबरा) और कामरेड केशव ब्यास (राजस्थान) शामिल हुए।

वक्ताओं ने कहा कि बिजली कर्मचारियों को अब निजीकरण और श्रम कानूनों में बदलाव के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। प्रांतीय सचिव एस.के. तिवारी ने कहा कि यह सम्मेलन सामूहिक संघर्ष की दिशा तय करेगा और आगामी दिनों में विभिन्न जिलों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। सम्मेलन का समापन 8 नवम्बर को प्रस्ताव पारित कर भावी कार्ययोजना घोषित करने के साथ होगा।

ओरियंट पेपर मिल में फिर डिरेल हुई मालगाड़ी

मेंटेनेंस की लापरवाही से दोहराया गया हादसा, बाल-बाल बची जनहानि

शहडोल। जिले के अमलाई स्थित ओरियंट पेपर मिल परिसर में शुक्रवार तडक़े एक बार फिर मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर गए। यह हादसा सुबह करीब साढ़े 5 बजे उस वक्त हुआ जब माल उतारकर लौट रही मालगाड़ी मिल परिसर से अमलाई रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की

जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, यह एक सप्ताह के भीतर इस ट्रैक पर डिरेलमेंट की दूसरी घटना है, जिससे प्रबंधन की लापरवाही पर सवाल उठने लगे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मालगाड़ी के कुछ डिब्बे अचानक झटका खाकर पटरी से उतर गए, जिसके बाद लोको पायलट ने तत्काल कंट्रोल रूम और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। घटना के बाद रेलवे कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं सुधार कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मिल परिसर के भीतर जाने वाली यह रेल लाइन काफी पुरानी हो चुकी है। पटरियों में जंग लगने और ढीले स्लीपरों के कारण हादसे की संभावना बनी रहती है। वर्षों से इस ट्रैक की ठीक से मरम्मत नहीं कराई गई है, जबकि इसका रखरखाव पूरी तरह ओरियंट पेपर मिल प्रबंधन के जिम्मे है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, यह ट्रैक मिल का निजी औद्योगिक रेल मार्ग है, जिसका रखरखाव रेलवे नहीं बल्कि स्वयं मिल प्रबंधन करता है। तकनीकी जांच में भी यह बात सामने आई कि ट्रैक की जर्जर स्थिति और नियमित निरीक्षण न होने से यह दुर्घटना घटी। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह भी इसी ट्रैक पर मालगाड़ी के दो पहिए पटरी से उतर गए थे। उस समय भी जनहानि तो नहीं हुई थी, लेकिन हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। लगातार दो घटनाओं ने मिल प्रबंधन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। अब स्थानीय लोगों ने मांग की है कि ट्रैक का तत्काल नवीनीकरण और नियमित निरीक्षण किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाएं रोकी जा सकें।

15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की चेतावनी, 27 सूत्रीय मांगों के साथ सौंपा ज्ञापन

विश्वविद्यालय प्रशासन पर एबीवीपी का हमला

शहडोल।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने शुक्रवार को पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय प्रशासन पर सीधा मोर्चा खोल दिया। परिषद ने कुलपति को 27 सूत्रीय मांगों वाला ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर सभी मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो विवि परिसर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। नगर मंत्री अमन त्रिपाठी के नेतृत्व में पहुंचे एबीवीपी पदाधिकारियों ने प्रशासन पर छात्रों की उपेक्षा, शैक्षणिक अनियमितता और जवाबदेही से भागने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की समस्याओं से पूरी तरह बेखबर है। यहां शिक्षा से ज्यादा अराजकता का माहौल है। अब यह चुप्पी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

परीक्षा परिणाम पर उठे सवाल

ज्ञापन में सबसे प्रमुख मुद्दा यूजी प्रथम वर्ष का परिणाम रहा, जो अगस्त माह में हुई परीक्षा के बाद अब तक घोषित नहीं हुआ है। परिषद ने कहा कि छात्रों की जिंदगी और भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। नतीजे घोषित न होने से न केवल विद्यार्थी अगली प्रक्रिया से वंचित हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी परेशान हैं। परिषद ने स्पष्ट कहा कि यदि परिणाम तुरंत जारी नहीं किया गया, तो विवि प्रशासन को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

खेल विभाग पर लापरवाही के आरोप

एबीवीपी ने खेल विभाग की अव्यवस्था को भी जमकर आड़े हाथों लिया। परिषद ने कहा कि पुराने खेल मैदान जर्जर हाल में पड़े हैं, खिलाड़ियों को बुनियादी सामग्री तक नहीं दी जा रही। इंदौर में हुई विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को टीए-डीए और ट्रैवल भत्ता तक नहीं मिला। परिषद ने कहा कि ऐसे रवैये से विश्वविद्यालय की खेल संस्कृति दम तोड़ रही है।

तकनीकी विकास के नाम पर दिखावा

विश्वविद्यालय के हर विभाग में स्मार्ट क्लासरूम, सीसीटीवी और मुफ्त वाई-फाई की मांग करते हुए परिषद ने कहा कि डिजिटल युग में भी विवि प्रशासन तकनीकी रूप से पिछड़ा हुआ है। छात्र सुविधा के नाम पर केवल घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। छात्रों की सेहत को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए। परिषद ने कहा कि विश्वविद्यालय में मेडिकल सुविधा और एम्बुलेंस की कोई व्यवस्था नहीं है, जबकि परिसर में रोजाना सैकड़ों छात्र-छात्राएं आते हैं। किसी आपात स्थिति में छात्र खुद अपने भरोसे हैं।

लाइब्रेरी, लैब और बस सेवा में भी भारी अनियमितता

एबीवीपी ने कहा कि विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में अब तक ई-लाइब्रेरी की सुविधा शुरू नहीं की गई, जबकि नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुसार यह जरूरी है। प्रयोगशालाओं में भी मूलभूत सामग्री का अभाव है, जिससे छात्रों को प्रैक्टिकल के नाम पर औपचारिकता निभानी पड़ती है। बस सेवा को लेकर भी परिषद ने तीखा रुख अपनाया और कहा कि बस प्रभारी छात्रों की समस्याओं की अनदेखी कर रहे हैं। समय पर बसें नहीं चलतीं, जिससे छात्र देर से पहुंचते हैं। परिषद ने मांग की कि बस प्रभारी को तत्काल बदला जाए।

मूलभूत सुविधाएं ठप्प

परिषद ने दोनों कैंपस में स्वच्छ पेयजल, वॉटर कूलर, कंप्यूटर लैब और नियमित कक्षाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि विवि में मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं, और प्रशासन के अधिकारी वातानुकूलित कमरों में बैठकर छात्रों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं। एबीवीपी ने नाराजगी जताई कि पिछले कुछ वर्षों से वार्षिक उत्सव और बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन जैसे सांस्कृतिक आयोजन ठीक ढंग से नहीं किए जा रहे। परिषद ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में रचनात्मकता और संस्कार दोनों पनपते हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रबंधन उन्हें महत्व नहीं देता।

आरटीआई में भी पारदर्शिता गायब

ज्ञापन में परिषद ने यह भी कहा कि परीक्षा परिणामों में पारदर्शिता नहीं है। अंक वितरण की जानकारी आरटीआई के तहत सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि छात्रों को सटीक जानकारी मिल सके। साथ ही, परीक्षा में अनियमितताओं की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग भी की गई।

अब नहीं सहेंगे अन्याय

एबीवीपी ने कुलपति को सौंपे ज्ञापन में साफ शब्दों में कहा कि अब छात्र चुप नहीं बैठेंगे। परिषद ने प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। यदि निर्धारित समय में सभी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो एबीवीपी विवि परिसर में धरना, प्रदर्शन और ताला बंदी जैसे आंदोलन शुरू करेगी। परिषद ने चेतावनी दी कि ऐसी स्थिति में पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में नगर मंत्री अमन त्रिपाठी, विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी, और छात्र प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन एबीवीपी के तेवरों से साफ है कि आने वाले दिनों में पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय का माहौल गरमाने वाला है।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

उमरिया। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, नाबालिक लडक़ी और आरोपी एक ही मोहल्ले में रहते हैं और एक-दूसरे को काफी समय से जानते थे। करीब दो साल पहले दोनों के बीच प्रेम संबंध बने थे। इसी दौरान आरोपी ने नाबालिग लडक़ी के साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा था। तब आरोपी ने शादी करने का वादा किया था, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच राजीनामा हो गया था।

हाल ही में घटना ने फिर से गंभीर रूप ले लिया। नाबालिग लडक़ी के परिजन ने बताया कि बीते जून महीने की एक रात जब उसके घर के अन्य सदस्य बाहर थे, तभी आरोपी उसके घर पहुंचा। उसने दरवाजा खटखटाया और कहा कि उसे अपना मोबाइल चार्ज करना है। नाबालिग लडक़ी ने उसे अंदर आने दिया। इसके बाद आरोपी ने दोबारा जबरन संबंध बनाने की कोशिश की। मना करने पर उसने बलपूर्वक नाबालिग लडक़ी के साथ दुष्कर्म किया। कुछ दिनों बाद नाबालिग को गर्भवती होने का पता चला, जिसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थाने में अपराध क्रमांक 508/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण कायम किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम ने तलाशी शुरू कर दी है। कोतवाली थाना प्रभारी मदन लाल मरावी ने बताया कि मामला कायम कर लिया है। आरोपी फरार है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुनरीक्षण का जनप्रतिनिधियों को दिया गया प्रशिक्षण

उमरिया। जिले के मानपुर जनपद पंचायत सभागार में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया । मास्टर ट्रेनर ने प्रशिक्षण देते हुए बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार मतदाता की पात्रता भारतीय नागरिक होना, आयु कम से कम 18 वर्ष होना, संबधित निर्वाचन क्षेत्र मे सामान्य रूप से निवास करना, किसी कानून के अंतर्गत आयोग्य न होना है ।

उन्होने बताया कि 1951 से 2004 तक आठ बार एसआईआर किया जा चुका है। पिछला एसआईआर लगभग 21 वर्ष पहले , साल 2001-2004 में किया गया था। एसआईआर में प्रमुख अधिकारियों में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), प्रत्येक तहसील के लिए सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी

(एईआरओ), जिला मजिस्ट्रेट, ईआरओ के निर्णय के विरूध्द की गई प्रथम अपील को सुनते है। राज्य,केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, कलेक्टर के निर्णय के विरूध्द की अपील सुनते है। प्रत्येक बीएलओ मौजूदा मतदाता को गणना प्रपत्र वितरित करेंगे तथा बीएलओ मिलान, लिंकिंग के लिए पिछले एसआईआर के अखिल भारतीय डेटाबेस की सहायता लेंगे।गणना चरण के दौरान ईएफ के साथ किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नही है।ईआरओ,एईआरओ यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी पात्र नागरिग छूटे नही तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति सम्मिलित नही हो। जिला मजिस्ट्रेट ईआरओ के निर्णय के विरूध्द की गई प्रथम अपील सुनेंगे । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी जिला मजिस्ट्रेट के निर्णय के विरूध्द व्दितीय अपील को सुनेगे ।

उन्होंने बताया कि बीएलए मतदाताओ से भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्र कर सकते है,प्रतिदिन अधिकतम 50 गणना प्रपत्र प्रमाणित कर सकते है और उन्हे बीएलओ को सौपेगे। मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण प्रत्येक केंद्र पर अधिकतम 1200 मतदाता की सीमा पर निर्धारित किया गया है। दस्तावेजो के सांकेतिक सूची में किसी केन्द्रीय,राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रम व्दारा नियमित कर्मचारी,पेंशनर को जारी पहचान पत्र,पेंशन भुगतान आदेश,सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट,विश्व विद्यालय व्दारा जारी मैट्रिक, शैक्षणिक प्रमाण पत्र,वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी,एससी,एसटी या अन्य जाति प्रमाण पत्र,राज्य, स्थानीय निकाय व्दारा पारिवारिक रजिस्टर सहित अन्य शामिल है। उन्होंने बताया कि भारतीय चुनाव आयोग के द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार मुद्रण प्रशिक्षण के लिए 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक,घर घर गणना चरण के लिए 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसंबर को, दावे एवं आपत्तियें की अवधि 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 ,नोटिस चरण के लिए 9 दिसंबर से 31 जनवरी तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष मानपुर ममता सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, सीईओ मानपुर राजेन्द्र त्रिपाठी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

वंदे मातरम 150 वां स्मरणोत्सव कार्यक्रम स्टेडियम में संपन्न

अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों ने किया सामूहिक राष्ट्रगीत का गायन

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का देखा गया सजीव प्रसारण

उमरिया। वंदे मातरम 150 वां स्मरणोत्सव के अवसर पर स्टेडियम ग्राउंड में विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह , कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ मैराथन दौड़ के साथ हरी झंडी दिखाकर किया गया। मैराथन दौड अस्पताल तिराहा, जय स्तंभ चौक, गांधी चौक, रणविजय चौक , पुराना कलेक्टर बंगला होते हुए पुनः स्टेडियम पहुंची जहां । मैराथन दौड़ कन्या विद्यालय, सेंट जेवियर्स, उत्कृष्ट विद्यालय, नेहरू कान्वेंट, डाईट सहित पीटीएस के प्रशिक्षु एवं अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर अधिकारियो, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन किया । कार्यक्रम में नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण स्टेडियम में देखा एवं सुना गया । विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का वह जीवंत स्फुरण है जिसने करोड़ों भारतवासियों के हृदय में स्वाधीनता की अलख जगाई। यह हमारे अमर बलिदानियों का जयघोष था। उन्होने कहा कि यह आयोजन केवल शासकीय न होकर, जन-जन का आयोजन बनेगा। इसके लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, जिसमें विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, पुलिसकर्मी, चिकित्सक, शिक्षक और सामाजिक संगठन सक्रिय रूप से शामिल होंगे। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि ऐतिहासिक वर्षगांठ को मनाने का निर्णय हमारी नई पीढ़ी को उस त्याग और राष्ट्र-प्रेम की भावना से सीधे जोडने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। मध्य प्रदेश इस राष्ट्रीय आयोजन को एक जन-अभियान का स्वरूप देगा। उन्होने बताया कि वर्ष भर चलने वाले इन समारोहों को चार मुख्य चरणों में विभाजित किया गया है, जिससे राष्ट्र-प्रेम की भावना सतत प्रवहमान रहे।

कार्यक्रम में आर सी स्कूल की छात्राओ ने राष्ट्रगीत वंदेमातरम के साथ ही देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी । इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रशिम सिंह, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता , संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी , नगर पालिका उपाध्यक्ष अमृतलाल यादव , पार्षद त्रिभुवन प्रताप सिंह, सविता सोधियां सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुलाबी सर्दी की दस्तक के साथ ही बाजारों में लौटी रौनक

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर सहित ग्रामीण एवं कोयलांचल में गुलाबी सर्दी की दस्तक के साथ ही बाजारों में रौनक लौट आई है। बाजार में गर्म कपड़ों की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ने लगी है। लोग सुबह से ही ऊनी स्वेटर, जैकेट, मफलर, दस्ताने, टोपी और ऊनी मोजे खरीदने के लिए बाजार पहुंचने लगे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग के लोग ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों की खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदारों ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों से कारोबार मंदा था, लेकिन ठंड शुरू होते ही बिक्री में तेजी आई है, जिससे उन्हें राहत मिली है। दुकानदारों ने बताया कि सर्दी की शुरुआत के साथ ही अच्छी बिक्री हो रही है, खासकर लोग बच्चों के लिए नए स्वेटर और टोपी खरीद रहे हैं। इस बार कपड़ों के नए डिजाइन और रंगों की मांग अधिक है। युवाओं में स्टाइलिश जैकेट और हुडी की खरीदारी में विशेष वृद्धि देखी गई है। गुलाबी सर्दी के कारण अब लोग शाम के समय बाहर निकलते हुए गर्म कपड़ों का उपयोग करने लगे हैं। इससे बाजार में रौनक बढ़ने के साथ-साथ गर्म चाय और समोसे के ठेलों पर भी भीड़ बढ़ गई है। ठंड शुरू होते ही बच्चों के पुराने कपड़े छोटे पड़ गए थे, इसलिए वे नए कपड़ों की खरीददारी करने लगे हैं। नगर में सर्दी की दस्तक से जहां आमजन अब अलाव की तलाश में दिख रहे हैं, वहीं व्यापारी वर्ग के चेहरे भी खिले हुए हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में तापमान और गिरने के साथ ही गर्म कपड़ों की बिक्री में और वृद्धि होगी।

ई-अटेंडेंस प्रणाली का हल्का पटवारी को करना होगा पालन

हरिभूमि न्यूज कोतमा

शासकीय अमले की जवाबदेही तथा पारदर्शिता को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में ई-अटेंडेंस स्वचालित प्रणाली स्थापित की गई है। जिसका विभिन्न विभागों के शासकीय सेवकों द्वारा उपयोग कर सकारात्मक परिणाम भी परिलक्षित किए जा रहे हैं। परंतु जिले के अनेक हल्का पटवारियो द्वारा अपने कर्तव्य के प्रति सजग न रह इस प्रणाली के लागू होने का विरोध जताया जा रहा है। मैदानी अमले की क्षेत्र में अनुपस्थित से कार्य में वृद्धि नहीं देखी जा रही है। जबकि ई-अटेंडेंस प्रणाली का कोतमा तहसील के पटवारी बेहतर उपयोग कर कर्तव्य परायणता से जनता की सेवाओं में वृद्धि व गुणवत्ता परीक्षित कर रहे है। राजस्व विभाग के कोतमा तहसील के पटवारियो द्वारा ई-अटेंडेंस प्रणाली को अपनाया गया है परिणाम स्वरूप कोतमा तहसील के 22 पटवारी के द्वारा निरंतर ई-अटेंडेंस प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। पटवारी की हल्का में उपस्थित से राज्य शासन की मंशानुरूप कार्यों में बढ़ोतरी के साथ-साथ लक्ष्य पूर्ति के प्रयास परिलक्षित दिखाई पड़ रहे हैं ई-अटेंडेंस लगाने वाले पटवारी के वेतन आहरण किया गया है। कुछ पटवारियो द्वारा ई-अटेंडेंस प्रणाली का विरोध किया जा रहा है। जिसे जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता से लिया गया है। राज्य शासन द्वारा लागू की गई ई-अटेंडेंस प्रणाली का निर्देशानुसार पालन न करने पर संबंधित पटवारी के द्वारा आम जन के कार्यों को प्रभावित करने तथा कार्यों में लापरवाही बरतने पर वेतन आहरण न करने के साथ ही पारदर्शी व जवाब देही के इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले शासकीय सेवकों के प्रति कार्यवाही की जाएगी।

आल इण्डिया वैक वर्ड क्लासेज फेडरेशन की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक आठ शिक्षक कालोनी में आल इण्डिया वैक वर्ड क्लासेज फेडरेशन की बैठक आयोजित किया गया। बैठक में, डॉ विवेक प्रजापति को सर्व, सम्मति से चयन पश्चात डॉ आर पी साहू प्रदेश अध्यक्ष आल इण्डिया बैक वर्ड क्लासेज फेडरेशन द्वारा जिला अध्यक्ष अनूपपुर हेतु मनोनीत किया गया। बैठक का संचालन लालबहादुर वर्मा विकास खण्ड अधिकारी अनूपपुर, एवं विनोद पटेल माडल स्कूल प्रभारी प्राचार्य ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामाजिक न्याय के सूत्रधार गुरू नानक देव के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया, कार्यक्रम में एल बी वर्मा ने अनुजाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के उपस्थित जनो को संवैधानिक अधिकारों के संगठित रहने और संघर्ष करने पर जोर दिया। प्रांतीय ,सचिव के पी साहू ने, सभा को संबोधित किया। कार्य क्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर पी साहू फेडरेशन के उद्देश्यों

पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग भारत सरकार के जीवन पर प्रकाश डाला, डॉ आर पी साहू ने बताया कि फेडरेशन मुख्य रूप जातीय जनगणना, जिसकी जितनी, संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी, समानुपातिक आरक्षण, शिक्षा में, व्यवसाय में, नौकरी में, उद्योग में जमीन में, निजीकरण की, समाप्ति, न्यायिक आयोग का गठन, व्यायालयों में हर स्तर पर आरक्षण, ओपीएस की वहाली, कृषकों उत्पादन लागत के आधार पर कृषि मूल्य, तथा, सामाजिक न्याय मुख्य उद्देश्य हैं, नामांकित अध्यक्ष द्वारा उद्देश्यों को पूरा करने का, संकल्प लिया और शीघ्र इकाई गठन कर सूचित करने को कहा। इस अवसर पर नील कण्ठ प्रजापति, एस सी वर्मा, बी पी प्रजापति, शिवशंकर वर्मा, हरिओम सोनी, देवशरण सिंह, महेश साहू,दीपक पटेल अधिवक्ता, श्रीमती दुर्गा पटेल, डी नारंग, फूल सिंह, सी एल सिंह, राकेश पटेल, अभिषेक पटेल, शिवम पाटकर, विरेन्द्र यादव, एम डी जफ़र, आदि उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन अध्यक्ष डॉ प्रजापति ने किया।

संगठन की सख्ती से झुका प्रबंधन

श्रमिक एकजुटता का बड़ा असर, कई महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। श्रमिकों की लंबित मांगों को लेकर दिए गए स्ट्राइक नोटिस के बाद महाप्रबंधक कार्यालय में प्रबंधन और श्रमिक संगठन के बीच महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में संगठन की स्पष्ट व मजबूत स्थिति के सामने प्रबंधन को कई बिंदुओं पर सहमति देनी पड़ी। निर्णयों से क्षेत्र के श्रमिकों, आवासीय कॉलोनियों और ठेका मजदूरों को सीधा लाभ मिलेगा।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

मुन्ना यादव और रवि साहू के 8वें वेतनमान पीरियड में डळठ का समायोजन इसी माह बेसिक में, तथा एरियर का भुगतान दिसंबर में किया जाएगा। विद्या सिंह के एज सुधार की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी वर्ष 2025-26 के मैन पावर बजट के अनुसार कामगारों की पहली पदोन्नति सूची नवंबर में जारी कॉलोनियों में सफाई, खिड़की-दरवाजा मरम्मत, प्लास्टर एवं फ्लोरिंग कार्य हेतु टेंडर शीघ्र जारी फिल्टर प्लांट, वॉटर सप्लाई और बिजली विभाग में पर्याप्त मनुष्यबल उपलब्ध कराया जाएगा। नीलकंठ सहित क्षेत्र के सभी ठेका मजदूरों की उपस्थिति अंडरग्राउंड में फॉर्म एवं सतह पर फॉर्म में अनिवार्य रूप से दर्ज सभी ठेका मजदूरों को पहचान पत्र जारी, जिसमें फॉर्म, आदि विवरण अंकित रहेंगे। सैलरी स्लिप इसी माह से, जिसमें कटौती स्पष्ट दिखाई देगी। ठेका मजदूरों का पहचान पत्र ही मेडिकल कार्ड के रूप में मान्य, क्षेत्रीय चिकित्सालय में निःशुल्क उपचार उपलब्ध सभी ठेका मजदूरों को कमेटी की सिफारिशों के अनुसार वेतन इसी माह से लागू संगठन ने कहा कि यह उपलब्धि सभी श्रमिक साथियों की एकजुटता और संगठन पर अटूट विश्वास का परिणाम है। क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने कहा कि यदि प्रबंधन पूर्व की भांति उदासीन नीति अपनाता है तो संगठन दोबारा कड़ा रुख अपनाने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि सभी साथी इसी दृढ़ता और एकता को आगे भी बनाए रखें।

आदर्श कॉलेज में वंदे मातरम 150 वां स्मरणोत्सव कार्यक्रम संपन्न

उमरिया।

मां भारती को समर्पित देशभक्ति एवं आध्यात्मिकता के भाव से भरा गीत वंदे मातरम गीत के डेढ़ सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आदर्श महाविद्यालय वंदे मातरम 150वाँ स्मरणोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रभारी डॉ.नियाज अहमद अंसारी ने कहा कि वंदे मातरम एक गीत नहीं बल्कि भारत की आत्म सम्मान स्वाधीनता एवं मातृभूमि के प्रति असीम प्रेम भक्ति का घोष है। इस गीत की अमर पंक्तियों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को एक दिशा दी और देशवासियों को एक सूत्र में बांधा । इस अवसर पर डॉ नवीन उपाध्याय, डॉ.राजेंद्र प्रसाद ,डॉ.सरिता विश्वकर्मा ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के साथ सह संयोजक डॉ.राजीव तिवारी एवं आभार डॉ.सपना झारिया द्वारा किया गया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ.अरुणेंद्र बहादुर सिंह ,डॉ.सपना झरिया, महाविद्यालय के सभी शिक्षक अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति रही ।

खबर संक्षेप

एन.के.जे. स्कूल की प्राचार्य को शोकाज नोटिस जारी

कटनी। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 के लिए विधानसभा क्षेत्र मुड़वारा -93 के मतदान केन्द्र क्रमांक 134,135 एवं 149 के अधिकारी,कर्मचारी को निर्वाचन कार्य हेतु मुक्त नहीं करने पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलांबर मिश्रा ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,एन.के.जे. कटनी की प्राचार्य श्रीमती रामकुमारी चक्रवर्ती को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। प्राचार्य श्रीमती चक्रवर्ती को यह नोटिस एस डी एम कटनी श्री प्रमोद कुमार चतुर्वेदी के प्रतिवेदन के आधार पर जारी किया गया है। कारण बताओ नोटिस में उल्लेखित किया गया है कि बीएलओ सुपरवाईजर, और बीएलओ को विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 के लिए प्रतिदिन मतदाताओं से सतत संपर्क बनाये रखना है। जिसके लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा बीएलओ एप्प एवं बीएलओ की आई डी जनरेट की गई है। जिसमें संबंधित कर्मचारी, अधिकारी ही उस मतदान केन्द्र व क्षेत्र में कार्य कर सकता है। इस कार्य के लिए आपके क्षेत्रांतर्गत अधिकारी, कर्मचारी को निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 (SIR) के कार्य हेतु विधानसभा क्षेत्र 93-मुडवारा के अंतर्गत बीएलओ मतदान केन्द्र क्रमांक 134,135 एवं 149 के लिए नियुक्त किया गया है। लेकिन आपके द्वारा इन कर्मचारियों को नहीं छोडा जा रहा है। जवाब समय-सीमा एवं संतोषजनक न पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

भूतपूर्व सैनिकों का किया गया सम्मान

स्लीमनाबाद। देश की सेवा कर सेवानिवृत्त हो चुके सैनिकों का सम्मान गुरुवार को ग्राम पंचायत छपरा मे सरपंच सुषमा नीरज गुप्ता ने किया। सरपंच के द्वारा यह नेक पहल कि गईं जिससे ग्राम पंचायत छपरा के सैनिक जो अपनी देश सेवा कर सेवानिवृत्त हो गये उनके सम्मान करने का काम किया। सरपंच के द्वारा भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान माला पहनाकर तिलक लगा किया गया साथ ही शाल व श्रीफल भेंट की गईं। छपरा ग्राम के 37 भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया।

आलेख गौतम बने करणी सेना के तहसील अध्यक्ष

स्लीमनाबाद। जिले में पहली बार राजपूत करणी सेना ने युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए किसी युवा को नेतृत्व के संगठन की जिम्मेदारी सौंपी है। जिला अध्यक्ष करणी सेना ने बहोरीबंद युवा नेतृत्व की ज़िम्मेदारी आलेख सिंह गौतम को सौंपकर युवा संगठन की दायित्व सौंपा है। जिले के अध्यक्ष द्वारा जारी आदेश पत्र में आलेख सिंह गौतम को बहोरीबंद तहसील संगठन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष बनने पर शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बलबहारा दोहरे हत्याकांड के चार आरोपी गिरफतार

अनेक स्थानों पर पुलिस की दबिश

बुढ़ार। बीते 21 अक्टूबर को ग्राम बलबहारा में दो सगे भाइयों के दोहरे हत्याकांड मामले में पुलिस ने दबिश देकर 4 आरोपियों को पकड़ा है इस मामले से जुड़े अभी तक कुल 23 आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया जा चुका है।थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने बताया कि इस मामले में बीते रात 4 आरोपीयों को पकड़ा है जिसमें 1 आकाश मलिक पिता प्रकाश उम्र 19 वर्ष निवासी रावल मार्केट ओपीएम,2 शिवम यादव पिता संजय उम्र 23 वर्ष निवासी ईटा भट्ठा,3 अमित साहू पिता रघुनाथ उम्र 20 वर्ष निवासी ईटा भट्ठा,4 विशाल शाह पिता ओमप्रकाश उम्र 19 वर्ष निवासी रावल मार्केट ओपीएम अमलाई,को अलग अलग स्थानों से हिरासत में लिया है। साथ ही कुछ और आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है, जिनकी पतासजी की जा रही है पकड़े गये आरोपियों ने बताया कि शराब मुर्गा पार्टी में शामिल होने बलबहारा गये थे शाम तक पार्टी करने के बाद सभी ने मिलकर दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। दीवाली के दुसरे दिन शाम को बलबहारा में हथियार बंद दो दर्जन से अधिक बदमाशों ने दो सगे भाइयों की हत्या एवं 1 को घायल कर मौके से फरार हो गए थे,जिनकी गिरफ्तारी की जा रही है।इस धर-पकड़ कार्यवाही में सब इंस्पेक्टर गोविंद भगत, एएसआई नवीन सिंह,गिरीश शुक्ला राजेन्द्र तिवारी,आर, गोपाल सिंह आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

शासकीय विद्यालय राम भरोसे!

शिक्षक बीएलओ सर्वे में व्यस्त, बच्चों से कराई जा रही सफाई

उमरिया। जिले के शिक्षा विभाग की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। विकासखंड करकेली अंतर्गत स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय डगडौवा में शिक्षा का संचालन पूरी तरह भगवान भरोसे चल रहा है।

विद्यालय में कक्षा पहली से आठवीं तक की कक्षाएं संचालित हैं, जिनमें 96 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन व्यवस्था ऐसी कि सुनकर किसी को भी हैरानी हो। विद्यालय में सिर्फ दो शिक्षक और एक प्रभारी प्रधानाध्यापक पदस्थ हैं और उनमें से भी दो शिक्षकों को विभाग ने बीएलओ बनाकर मतदाता सर्वेक्षण के काम में भेज दिया है। नतीजा यह कि पूरी शाला अब एकमात्र शिक्षक के भरोसे संचालित हो रही है। शिक्षा सत्र के बीच शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में झोंक देने से विद्यालय में पठन-पाठन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। बच्चों को नियमित पढ़ाई के बजाय घंटों तक इधर-उधर बैठे रहना पड़ता है। स्थिति यहीं तक सीमित नहीं है, विद्यालय में चपरासी नहीं है। सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी शिक्षकों के सिर है, लेकिन सफाई का भार बच्चों के कंधों पर डाल दिया गया है। विद्यालय परिसर में झाड़ू लगाते और कक्षाओं की सफाई करते बच्चों के दृश्य प्रशासन की शिक्षा गुणवत्ता पर गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा करते हैं। जब इस बाबत शिक्षकों से बात की गई, तो उनका कहना था कि हम सब मिलकर सफाई करते हैं, लेकिन यदि किसी को आपत्ति है तो, अब से बच्चे नहीं बल्कि हम ही सफाई करेंगे। मगर सवाल यह है कि क्या विद्यालय चलाने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है या सफाई कर्मी की? जिले में इस तरह के कई विद्यालय हैं, जहां शिक्षक या तो बीएलओ के कार्य में व्यस्त हैं या फिर अन्य शासकीय जिम्मेदारियों में उलझे हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं और बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नाम पर केवल उपस्थिति भर रहे हैं। यह हालात जिले की शिक्षा व्यवस्था की गिरती साख और प्रशासनिक उदासीनता की खुली पोल हैं।

एसआईआर पर भाजपा ने कार्यकर्ताओं को किया प्रशिक्षित दी गई जानकारी

ब्यौहारी। विधानसभा मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (SIR) 2025 के अंतर्गत आज उत्सव पैलेस मे ब्योहारी मंडल में बैठक आयोजित की गई जिसमें एस ए आर के बारे में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा कार्यकर्ता एवीएन बल को ट्रेनिंग दी गई की ट्रेनिंग कार्यक्रम में मुख्य अथिति शत्रुधन पटेल अध्यक्षता विनय गुप्ता मोनू, रमजान कादरी, महेन्द्र बरगाही, नरेन्द्र शास्त्री, मंडल महामंत्री धर्मेंद्र पटेल जी, मंडल मिडिया प्रभारी राजेंद गुप्ता (मंटू), सज्जन सिंह, धीरज सिंह, गोल्डी बरगही सूर्य प्रकाश गुप्ता, भागवत पटेल जी महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष राधा गुप्ता, वंदना गौतम, नीता साहू, प्रियंका गुप्ता, श्रुति गुप्ता, और ब्योहारी मंडल के समस्त पदा अधिकारी, मंडल के सभी बूथ अध्यक्ष व ब्योहरी मंडल के सभी वरिष्ठ कार्य करता सम्मित थे!

केन्द्रीय विद्यालय एसईसीएल नौरोजाबाद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर समारोह आयोजित

बिरसिहपुर पाली। केन्द्रीय विद्यालय एस ई सी एल नौरोजाबाद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किया गए। समारोह के दौरान, छात्रों ने वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन किया और इसके महत्व के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के महत्व और इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की।

विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष कुमार द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि वंदे मातरम भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला गीत है। यह गीत हमें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है और हमें राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए काम करने के लिए प्रेरित करता है। शिक्षकों ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए और छात्रों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में श्री बालेन्द्र शर्मा, टी आई थाना नौरोजाबाद, श्री संदीप शुक्ला, श्री शीतल तिवारी एवं श्री संदीप पटेल ने सहभागिता की।

इस अवसर थाना नौरोजाबाद द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त विद्यालय में स्काउट एवं गाइड्स स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के स्काउट/गाइड्स ने स्काउट मास्टर श्री दीपक राय के निर्देशन में मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकों का

राष्ट्रगीत वंदे मातरम का 150 वां वर्ष

स्वतंत्रता संग्राम की भावना को पुनर्जीवित करने का आह्वान वंदे मातरम केवल गीत नहीं, राष्ट्र के आत्मगौरव का प्रतीकः जायसवाल

शहडोल। राष्ट्रगीत वंदे मातरम्के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिला मुख्यालय के संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य स्मरणोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल रहे, जिन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गुड सेफर्ड कान्वेंट स्कूल के बैंड दल ने राष्ट्रगान जन गण मन की प्रस्तुति दी, जिसके बाद उपस्थित जनसमूह ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम्का सामूहिक गायन किया।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि वंदे मातरम्केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत माता की आराधना और देशभक्ति की सजीव साधना है। यह शब्द ऊर्जा, प्रेरणा और त्याग का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के समय जब देश अंग्रेजी शासन के दमन से निराश था, तब बंकिमचंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम् की रचना कर राष्ट्र की चेतना को पुनर्जीवित किया। यही गीत आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बना। श्री जायसवाल ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने इस गीत के माध्यम से देश को आजाद कराने का संकल्प लिया और वंदे मातरम् को राष्ट्रीय एकता व बलिदान का प्रतीक बनाया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी यह गीत हमें राष्ट्रनिर्माण और आत्मनिर्भर भारत के मार्ग पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देता है।

राज्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश तभी सशक्त बनेगा जब हम स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हम अपने श्रम और संसाधनों पर विश्वास करेंगे। कार्यक्रम के दौरान नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट के विराट सभागार में देखा गया। इसी अवसर पर जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में भी वंदे मातरम् स्मरणोत्सव आयोजित किए गए। स्मरणोत्सव के अंतर्गत शहीद स्मारक शहडोल में भी विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुआ।

हर शब्द में मातृभूमि के प्रति निष्ठा

विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् के हर शब्द में मातृभूमि के प्रति निष्ठा, बलिदान और वीरता की भावना निहित है। हमें इस गीत की आत्मा को अपने जीवन में उतारना होगा। वहीं श्रीमती अमिता चपरा ने कहा कि यह गीत भारत की संस्कृति, एकता और आत्मसम्मान का स्वर है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। कार्यक्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला, संतोष लोहानी, अमित मिश्रा, निधि गुप्ता, प्रियम त्रिपाठी, एनसीसी कैडेट्स, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दशमीत कौर अरोरा ने किया और आभार भूपेंद्र मिश्रा ने व्यक्त किया।

युवा प्रतिभाओं ने बिखेरी रचनात्मक चमक

जिला स्तरीय युवा उत्सव में उमड़ी जोश और जज़्बे की बयार

शहडोल। युवा शक्ति की रचनात्मकता और नवाचार को समर्पित 29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025-26 के अंतर्गत जिला स्तरीय युवा उत्सव का भव्य आयोजन शुक्रवार, 7 नवंबर को शुभम पैलेस शहडोल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मनीषा सिंह उपस्थित रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया और युवाओं को देश की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक आर. आर. सिंह, प्रियम त्रिपाठी, संजय निगम, अरुण द्विवेदी, खिरोधर सोंधिया, मंजुला पांडे, नूतन सिंह एवं दीपिका निगम शामिल रहे। आयोजन का कुशल संचालन अजय सोधिया, ब्लॉक समन्वयक (खेल एवं युवक कल्याण विभाग) ने किया।

इस वर्ष युवा उत्सव की थीम सांस्कृतिक और नवाचार पर आधारित रही, जिसका उद्देश्य युवाओं में सृजनशीलता, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक एकता की भावना को प्रोत्साहित करना था। जिले के विभिन्न अंचलों से आए 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने भाषण, कविता लेखन, कहानी लेखन, विज्ञान मॉडल, चित्रकला, लोकगीत और लोकनृत्य सहित सात विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में प्राप्ती सोनी ने प्रथम एवं ओम तिवारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कविता लेखन में सुमित तिवारी प्रथम और विद्या पटेल द्वितीय रहीं। कहानी लेखन में मंजुला तिवारी प्रथम एवं रोशनी पटेल द्वितीय रहीं। विज्ञान मॉडल में अनुराग पांडे व विभव गुप्ता की जोड़ी ने प्रथम, जबकि सचिन बैगा व संदीप ने द्वितीय स्थान पाया।

चित्रकला में नंदिनी प्रजापति प्रथम और पवन कृष्णानंद यादव द्वितीय रहे। समूह लोकगीत में मां शारदा संगीत विद्यालय शहडोल प्रथम एवं शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय विचारपुर द्वितीय स्थान पर रहा। लोकनृत्य में साधना चंद्रवंशी समूह (विचारपुर) ने प्रथम और प्रशांत माली समूह (ब्यौहारी) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। चयनित प्रतिभागी अब 13 नवंबर को होने वाले संभाग स्तरीय युवा उत्सव में शहडोल जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जिपं सीईओ बनी अध्यापिका, बच्चों से ली पढ़ाई की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

गुरुवार को जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत ने भ्रमण के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की नब्ज़ टटोलने के साथ-साथ शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। सुश्री कौर ने ग्राम सिमरिया स्कूल की कक्षा चौथी की छात्राओं शबनम, शिवानी और वंदना से सवाल पूछे और पढ़ाई के संबंध में चर्चा की एवं अध्यापिका की भांति पढ़ाया भी। संवाद करते हुए बच्चों ने भी बड़ी बेबाकी से प्रश्नों के उत्तर दिए। विद्यार्थियों की हाजिर जवाबी सुनकर जिला पंचायत की सीईओ सुश्री कौर ने मुक्त कंठ से सराहना करते हुए पीठ थपथपाई। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया।

सीईओ कौर ने इस दौरान उपस्थिति पंजी सहित अन्य शैक्षणिक रजिस्टरों का अवलोकन किया। उन्होंने शाला के शिक्षकों से भी शिक्षा के स्तर को उन्नत करने सार्थक प्रयास करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यही बच्चे कल के स्वर्णिम भारत के भविष्य निर्माता हैं। पढ़ाई की नींव ठोस होगी तो छात्र-छात्राएं अलग-अलग क्षेत्र में अपने स्कूल, समाज और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेंगे।

मध्यान्ह भोजन को परखा

सुश्री कौर ने छात्र-छात्राओं हेतु तैयार किया जा रहे मध्यान्ह भोजन दाल, सब्जी को बाल्टी में चम्मच चलाकर परखा। ओम स्वसहायता समूह द्वारा संचालित मध्यान्ह भोजन को स्वच्छता के साथ बनाए जाने एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु हेतु निर्देशित किया।

इस दौरान जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी यजुवेंद्र सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

क्रेशर खदानों का संयुक्त निरीक्षण, अवैध परिवहन पर ट्रक किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने बरही तहसील के क्रेशर खदानों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। अधिकारियों के दल ने संयुक्त निरीक्षण में मझगवा, बुजबुजा, करोनदी, बिचपुरा, कन्नौर और आसपास के क्षेत्र में संचालित स्टोन क्रेशरो में खनिज उत्पादन और जमा राजस्व की जांच की । साथ ही खदानों में स्वीकृत सीमा का भी मुआयना किया गया। संचालक खनिज प्रशासन नोबल फ्रेंक और कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा टास्क फोर्स की बैठक में खदानों के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु दिए निर्देशों के अनुपालन में खनिज और राजस्व अमले द्वारा निरीक्षण किया गया। तहसील बरही अंतर्गत क्रेशर खदानों का संयुक्त रूप से निरीक्षण में मझगवा, बुजबुजा, करोनदी, बिचपुरा, कन्नौर और आसपास के क्षेत्र में संचालित स्टोन क्रेशरो में खनिज उत्पादन और जमा राजस्व की जांच की गई । संबंधित क्रेशर संचालकों को सुरक्षित खनन कार्य करने एवं जल छिड़काव करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण टीम द्वारा ग्राम बुजबुजा के पास पत्थर गिट्टी का अवैध परिवहन करते पाए गए एक ट्रक को जप्त कर पुलिस थाना बरही में सुरक्षित खड़ा कराया गया। निरीक्षण के दौरान में उपसंचालक खनिज आर के दीक्षित,तहसीलदार बरही आदित्य तिवारी और पवन कुशवाहा सहायक खनिज अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सुलखारी में सियार के हमले से मां बेटे घायल

हरिभूमि न्यूज अनूपपर। जिले के जैतहरी तहसील अंतर्गत सुलखारी गांव में शुक्रवार की दोपहर घर के पीछे बांड़ी में खेती का काम कर रही 70 वर्षीया रूक्मणी पति सोनसाय एवं 55 वर्षीय पुत्र समयलाल पर एक जंगली सियार ने अचानक हमला कर घायल कर दिये जाने पर परिजनों द्वारा दोनों घायलो को जिला चिकित्सालय अनुसार ला कर उपचार कराया है। घटना की जानकारी वेंकटनगर वनविभाग को दी गई है।

नेटवर्क न होने पर ऑफलाइन उपस्थिति से मिलेगा शिक्षकों को वेतन

हरिभूमि न्यूज अनूपपर। ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर दायर याचिका पर माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश के अनुपालन में कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) अनूपपुर ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। शासकीय प्राथमिक विद्यालय लतार के शिक्षक भगवती प्रसाद तिवारी एवं अन्य शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस संबंधी कठिनाइयों के चलते याचिका क्रमांक 30874/2025 दाखिल की गई थी। इस पर माननीय उच्च न्यायालय ने 21 अगस्त 2025 को निर्णय पारित किया था, जिसके अनुपालन में यह आदेश जारी हुआ है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य शासन द्वारा ई-अटेंडेंस प्रणाली सभी विद्यालयों में लागू की गई है। किंतु जहां नेटवर्क या बिजली आपूर्ति की समस्या है, वहां के विद्यालयों में ऑफलाइन उपस्थिति के आधार पर वेतन भुगतान की अनुमति दी जाएगी। वहीं, जहां सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहां ई-अटेंडेंस के आधार पर ही वेतन भुगतान किया जाएगा। इसके साथ ही आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अब वेतन भुगतान के लिए कलेक्टर अनुमोदन की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है।

राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' की 150 वीं वर्षगांठ पर सामूहिक गीत का किया गया गायन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' की भूमिका के 150 वीं वर्षगांठ व इसकी स्थायी सांस्कृतिक विरासत के महत्व को वर्षभर विविध गतिविधियों के दृष्टिगत राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' की 150 वीं वर्षगांठ के शुभारंभ अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय (कलेक्ट्रेट) प्रांगण में राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रामलाल रौतेल, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती वाल्मिकी राठौर, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।
मां भारती को समर्पित देशभक्ति और आध्यात्मिक वंदे मातरम्-गीत के सामूहिक गायन के पश्चात् कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में भारत सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित समारोह का सीधा प्रसारण देखने एवं सुनने की व्यवस्था की गई थी। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर स्मरणोत्सव समारोह में स्मारक सिक्का तथा स्मारक डाक टिकट का विमोचन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने वंदे मातरम्-पर आधारित भारत सरकार के संस्कृति विभाग की वेबसाइट का शुभारंभ रिमोट की बटन दबाकर किया। नई दिल्ली से सीधा प्रसारण के माध्यम से राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' पर केन्द्रित नाद एकम्, रूप अनेक की देशभक्ति और आध्यात्मिक व सांस्कृति प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर भारत सरकार के संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन को सीधा प्रसारण के माध्यम से देखा एवं सुना गया। जिले के स्कूल, जनपद व ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, महाविद्यालय सहित सार्वजनिक संस्थानों में वंदे मातरम्-का सामूहिक गायन किया गया।

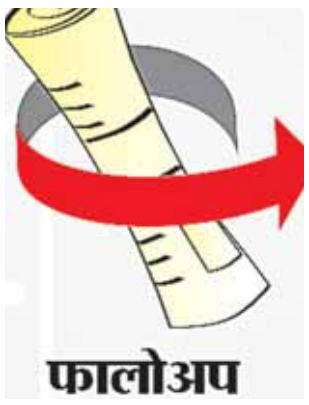

अमरकंटक के पर्यावरण और सुंदरता पर मंडरा रहा संकट

अमरकंटक में साल बोरर बीमारी के बढ़ते प्रकोप ने बढ़ाई चिंता

विधायक व महामंडलेश्वर गहरे चिंतित, पेड़ पौधे ही तीर्थों की शोभा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/अमरकंटक। माँ नर्मदा की पवित्र उद्गम स्थली अमरकंटक एक गंभीर पर्यावरणीय संकट की चपेट में है। क्षेत्र के सघन साल वनों में साल बोरर नामक कीटजनित बीमारी तेजी से फैल रही है, जिसके कारण हजारों साल वृक्ष सूखकर गिरने लगे हैं।
यह स्थिति अमरकंटक के पारिस्थितिक संतुलन और हरियाली दोनों के लिए गंभीर खतरा बन गई है। वन परिक्षेत्र के कपिलधारा, कबीर चबूतरा, खुरखुरी, जोहिला और मैकल पर्वत श्रृंखला के इलाके में बड़ी संख्या में साल वृक्ष प्रभावित हो चुके हैं। यह बीमारी वृक्ष के तने में छेद कर भीतर से लकड़ी को नष्ट कर देती है, जिससे वृक्ष के तने से बुरादा निकलने लगता है और वह शीघ्र ही सूख जाता है।

वन विभाग की निष्क्रियता पर उठ रहे सवाल

स्थानीय नागरिकों और पर्यावरणप्रेमियों का कहना है कि साल बोरर संक्रमण की शुरुआती पहचान के बावजूद विभाग की ओर से समय पर रोकथाम नहीं की गई। अब यह बीमारी व्यापक रूप से फैल चुकी

हरिभूमि
अमरकंटक में पर्यावरणीय संकट की ओर धकेल रही साल बोरर कीट बीमारी
पर्यावरणीय संतुलन पर खतरा, पर्यावरणविदों ने जताई चिंता

है और हजारों वृक्ष पहले ही सूख चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि साल वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं बल्कि भूजल स्तर को बनाए रखने, तापमान नियंत्रित करने और मिट्टी को क्षरण से बचाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इन वृक्षों के नष्ट होने से क्षेत्र की नमी, हरियाली और शीतलता पर गंभीर असर पड़ेगा।
वैज्ञानिक उपचार और पुनर्रोपण की आवश्यकता
वन वैज्ञानिकों का सुझाव है कि साल बोरर संक्रमण को रोकने के लिए जैविक कीटनाशकों, फ्यूमिगेशन, संक्रमित वृक्षों के सुरक्षित निस्तारण और नई पौधारोपण योजना पर तत्काल काम शुरू किया जाए। अमरकंटक केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की प्राकृतिक और पर्यावरणीय धरोहर का प्रतीक है। साल वृक्षों के नष्ट होने से यह पवित्र भूमि अपने मूल स्वरूप को खो सकती है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और संत समाज एकमत हैं कि सरकार और वन विभाग को इस विषय पर तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि "हरित अमरकंटक" की पहचान सदैव बनी रहे।

विधायक ने सरकार और वन विभाग पर उठाए सवाल

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने साल बोरर महामारी पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि यह केवल एक वन रोग नहीं, बल्कि अमरकंटक की पर्यावरणीय पहचान पर संकट है। उन्होंने कहा "इस बीमारी से अमरकंटक के वन क्षेत्र में लगभग ढाई से तीन लाख साल वृक्षों की कटाई करनी पड़ सकती है। यह बेहद चिंताजनक है। सवाल यह उठता है कि जब साल बोरर का संक्रमण फैल रहा था, तब वन विभाग क्या कर रहा था। ऐसा लगता है कि विभाग गहरी नींद में था। विधायक मार्को ने कहा कि लगभग 27 वर्ष पूर्व भी इस बीमारी ने असर दिखाया था, परंतु तब इतना बड़ा नुकसान नहीं हुआ था। इस बार स्थिति कहीं अधिक भयावह है। उन्होंने कहा। "सरकार को तुरंत वैज्ञानिक और ठोस कदम उठाने होंगे। पिछली बार हुए नुकसान की भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। साल वृक्षों का पुनरोपण नहीं किया गया, जबकि यही वृक्ष अमरकंटक की शीतलता और पर्यावरण संतुलन के प्रतीक हैं। अगर साल वृक्ष न रहे, तो अमरकंटक का स्वरूप ही बदल जाएगा।

पेड़ पौधे ही तीर्थों की शोभा- महामंडलेश्वर

महामंडलेश्वर रामकृष्णानंद जी महाराज ने कहा कि 'पेड़ पौधे ही तीर्थों की शोभा हैं'। आचार्य महामंडलेश्वर 1008 रामकृष्णानंद जी महाराज ने साल बोरर महामारी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि यह केवल एक वन समस्या नहीं, बल्कि धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी चिंतनीय है। "तीर्थ स्थलों की शोभा उनके पेड़-पौधों और हरियाली से ही होती है। ये वृक्ष हमें शुद्ध प्राणवायु प्रदान करते हैं और अमरकंटक के जंगलों में अनेक दुर्लभ औषधीय जड़ी-बूटियाँ पाई जाती हैं। साल वृक्ष पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखते हैं और इनके कारण क्षेत्र में नमी और शीतलता बनी रहती है। यही साल वृक्ष अमरकंटक की सौंदर्यता का आधार हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस महामारी के चलते लाखों साल वृक्षों की कटाई से अमरकंटक का पर्यावरणीय संतुलन डगमगा जाएगा। झ "27 वर्ष पूर्व हुए साल वृक्षों की कटाई का असर आज भी दिखाई देता है। अब फिर वही स्थिति बन रही है। वन विभाग को वैज्ञानिक तरीकों से त्वरित और सघन उपचार कराना चाहिए। हम सरकार से निवेदन करते हैं कि इस विषय पर तुरंत ठोस कार्रवाई करे, ताकि अमरकंटक की हरियाली और जीवनदायिनी वनसंपदा सुरक्षित रह सके।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। 5 नवंबर को प्रांतीय निर्देशानुसार मध्य प्रदेश शिक्षक संघ संभाग इकाई शहडोल की बैठक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के सभागार में तीनों जिला इकाइयों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि जनजातीय कार्य विभाग के प्रदेश संयोजक अनिल कुमार सिंह, प्रदेश सचिव महेन्द्र त्रिपाठी, अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्र विशिष्ट अतिथि जिलाध्क्ष अनूपपुर संजय कुमार निगम एवं संभागीय सचिव हरिहर प्रताप सिंह की उपस्थिति में बैठक सुचारू रूप से संपन्न हुआ। मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्प गुच्छ अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम नवनियुक्त प्रांतीय संयोजक अनिल कुमार सिंह का संभाग इकाई शहडोल के द्वारा शाल, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। बैठक में संभागीय संगठन मंत्री डॉ नरेंद्र पटेल के द्वारा जिला इकाई द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला गया। जिला अध्यक्ष अनूपपुर संजय निगम के द्वारा जिला अंतर्गत किए गए कार्यों की विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला सचिव शहडोल विनोद कुमार सिंह के द्वारा विकासखंड में किए कार्यों एवं समस्याओं सहित प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण किया गया। संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा ने संगठन के कार्यक्रम एवं गतिविधियों पर चर्चा, मण्डल क्लस्टर संरचना की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार सिंह के द्वारा हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ कार्यक्रम अंतर्गत वर्तमान स्थिति की चर्चा, नारी शक्ति की संगठन में सहभागिता के के संबंध में विस्तृत चर्चा एवं जिला स्तर पर लंबित उच्च पद प्रभार पदांकन को शीघ्र किए जाने पर भी चर्चा की गई। बैठक को संभागीय कोषाध्यक्ष रामकुमार राठौर, जिला शहडोल जिलाध्यक्ष लालजी तिवारी सचिन विनोद कुमार सिंह का उद्बोधन एवं मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नरेंद्र पटेल जी के द्वारा किया गया। अंत में स्वल्पाहार के साथ आभार प्रदर्शन जिला संगठन मंत्री मिथलेश शर्मा के द्वारा किया गया। बैठक में प्रांतीय संयोजक अनिल कुमार सिंह संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा, संभागीय सचिव हरिहर प्रताप सिंह संभागीय कोषाध्यक्ष रामकुमार राठौर, संभागीय संगठन मंत्री डॉ नरेंद्र पटेल अनूपपुर जिले के जिलाध्यक्ष संजय कुमार निगम सचिव श्रीमंत तिवारी, धर्मेंद्र शाक्यवार हेतराम साहू शंकर सिंह राठौर रामभरोसे के प्रजापति शहडोल जिले के जिलाध्यक्ष लालजी तिवारी सचिव विनोद कुमार सिंह उमरिया जिला से जिला कोषाध्यक्ष राम कुशल पाण्डेय कोषाध्यक्ष, रामनारायण तिवारी एवं अनिल तिवारी जिला कार्यकारिणी सदस्य उमरिया के साथ भारी संख्या में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पदाधिकारी उपस्थित हुए।

योग, विज्ञान, अनुशासन और ईश्वरत्व पर कुलगुरू प्रो. रामशंकर का प्रेरक व्याख्यान

संस्कार लॉ कॉलेज में "कुलगुरू की पाठशाला" संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 6 नवम्बर को संस्कार लॉ कॉलेज में "कुलगुरू की पाठशाला" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत वृक्षारोपण से की गई कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के कुलगुरू प्रो. रामशंकर थे, जबकि प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज, अनूपपुर के प्राचार्य प्रो. अनिल सक्सेना विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के मधुर गायन से हुआ। तत्पश्चात संस्कार कॉलेज के संचालक नवोद चपरा ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि "भारतीय ज्ञान परंपरा संवाद पर आधारित रही है, और आज का यह आयोजन विद्यार्थियों को कुलगुरू के अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान करेगा। अपने विस्तृत उद्बोधन में कुलगुरू प्रो. रामशंकर ने "योग, विज्ञान, आचार्य, अनुशासन, नश्वरता और ईश्वरत्व" जैसे गहन विषयों पर अत्यंत सरल और प्रेरक शब्दों में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "योग केवल आसन नहीं, जीवन की एक विधा है। यह हमें शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का मार्ग दिखाता है। जब हम अपने भीतर एकाग्रता लाते हैं, तभी हम सच्चे अर्थों में शिक्षित होते हैं। योग हमें यह सिखाता है कि ज्ञान केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि आत्मानुशासन और संतुलन में निहित है। उन्होंने विज्ञान को आधुनिक जीवन की रीढ़ बताते हुए कहा विज्ञान हमें सोचने, प्रश्न करने और खोजने की शक्ति देता है। बिना जिज्ञासा के न तो विज्ञान संभव है, न ही जीवन। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे केवल परीक्षाओं के लिए न पढ़ें, बल्कि समाज और मानवता के कल्याण के लिए विज्ञान का उपयोग करें। आचार्य और अनुशासन पर बोलते हुए कुलगुरू ने कहा कृ"आचार्य वह है जिसको किसी का भय ना हो और जिससे किसी को भय ना हो, वह केवल शिक्षक नहीं, बल्कि दिशा देने वाले दीपक होते हैं। वे मार्ग दिखाते हैं, लेकिन चलना विद्यार्थी को ही होता है। अनुशासन जीवन की आत्मा है जो व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन रखता है, वही सच्चे अर्थों में स्वतंत्र भी होता है। उन्होंने नश्वरता और ईश्वरत्व के दार्शनिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कृ"यह संसार परिवर्तनशील है, सब कुछ नश्वर है लेकिन हमारे कर्म और विचार ही हमें ईश्वरत्व की ओर ले जाते हैं। मनुष्य तब तक अधूरा है जब तक वह अपने भीतर के ईश्वर को नहीं पहचानता। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि आत्मबोध है। कुलगुरू ने विद्यार्थियों से कहा कि वे जीवन में सफलता को केवल पद या धन से न मापें, बल्कि अपने व्यवहार, विनम्रता और समाज सेवा से अपनी पहचान बनाएं। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय फैकल्टी सरिता चौरसिया ने किया तथा आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आनन्द कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के विद्यासागर माझी, रविन्द्र कुमार यादव. सरिता चौरसिया, वत्सला श्रीवास्तव अभय शर्मा, पल्लव मिश्रा, राम कुमार पारस, राम नरेश केवट लखन लाल केवट,. रवि कुमार केवट, शिवांगी गुप्ता, सुनील कुशवाहा, कमलेश कहार. श्याम बाई कहार, भुवन सिंह विकाश बनोधिया, विद्यार्थीगण और अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने यह अनुभव किया कि "कुलगुरू की पाठशाला" वास्तव में एक बौद्धिक और आध्यात्मिक संगोष्ठी बन गई, जिसने विद्यार्थियों में ज्ञान, अनुशासन, योग और ईश्वरत्व के प्रति नई चेतना का संचार किया।

आरटीआई ने खोली महाविद्यालय में भ्रष्टाचार की पोल

कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर में बिना निविदा/प्रकाशन दर के कराए गए फर्जी स्टील गेट एवं एसीपी शीट कार्य तथा श्रीराम ट्रेडर्स फर्म से संबंधित अनियमितताओं की जांच एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई के लिए सचिन पटेल ने 7 नवंबर को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन मे लेख किया गया कि शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर में दो लाख सात हजार दो सौ आठ रूपये का कार्य स्टील गेट निर्माण एवं एसीपी शीट वर्क के नाम से कराया गया है। यह जानकारी मुझे सूचना का अधिकार अधिनियम के माध्यम से प्राप्त हुई है। प्राप्त अभिलेखों के अनुसार यह कार्य बिना किसी निविदा या दर प्रकाशन के सीधे श्री राम ट्रेडर्स, वार्ड नं. 10, जैतहरी रोड, अनूपपुर को सौंपा गया है। उक्त कार्य नेक मूल्यांकन के समय कराया गया प्रतीत होता है, जिससे यह संदेह होता है कि पूरे प्रकरण में वित्तीय अनियमितताएँ और भ्रष्टाचार हुआ है। इतने छोटे कार्य के लिए 2,07,208 का भुगतान जनभागीदारी मद से किया जाना न केवल वित्तीय अनुशासन का उल्लंघन है, बल्कि यह घोर भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। जनभागीदारी मद से प्राप्त धनराशि विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं हित के कार्यों के लिए होती है, जिसका इस प्रकार उपयोग किया जाना अत्यंत अनुचित है। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि श्री राम ट्रेडर्स नामक फर्म के नाम से महाविद्यालय में अनेक बिल प्रस्तुत किए गए हैं, परंतु आरटीआई से केवल दो ही बिल प्राप्त हुए हैं। यह आवश्यक है कि यह जांच की जाए कि इस फर्म के नाम से कुल कितने बिल लगाए गए हैं और किस-किस कार्य के लिए भुगतान हुआ है? क्या उक्त फर्म किसी निविदा/अनुबंध प्रक्रिया में विधिवत रूप से चयनित थी या नहीं? क्या अन्य सभी कार्यों में भी यही अनियमितताएँ की गई हैं, विशेषकर नेक मूल्यांकन अवधि के दौरान जब महाविद्यालय में लाखों-करोड़ों के खर्च दिखाए गए हैं? सचिन पटेल ने कहा कि उपरोक्त सभी कार्यों की विस्तृत जांच स्वतंत्र समिति से कराई जाए। कार्य कराने वाले अधिकारी, प्राचार्य एवं संबंधित फर्म के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 एवं म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर एफ.आई.आर. दर्ज कर, निलंबन/सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाए। श्री राम ट्रेडर्स फर्म की वैधता, पंजीकरण और पूर्व कार्यों की भी जांच कराई जाए। 2,07,208 एवं अन्य अनियमित राशि की वसूली दोषियों से व्यक्तिगत रूप से की जाए।

जिले के पटवारियों के वेतन बहाली आदेश प्रसारित करने की मांग

पटवारियों ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। कलेक्टर अनूपपुर के द्वारा संदर्भित आदेशानुसार लोक सेवा के समय सीमा बाह्य प्रकरणों के निराकरण न होने एवं वांछित प्रगति नही होने का एकमात्र जिम्मेदार केवल पटवारियों को मानते हुए आगामी आदेश तक के लिए कलेक्टर अनूपपुर द्वारा 29 सितम्बर को वेतन आहरण पर रोक लगा दिया गया था, जिसमें माह सितंबर व अक्टूबर का वेतन अप्राप्त है, जो आज तक लागू है। एक कर्मचारी के वेतन से कर्मचारी का परिवार जिसमें वृद्ध माता-पिता, बच्चे होते है, सभी का भरण-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य इत्यादि जिम्मेदारी का निर्वहन होता है। सितंबर माह से वेतन न मिलने के कारण हिन्दू धर्मावलंबियों, का प्रमुख त्यौहार दशहरा (02 अक्टूबर करवा चौथ (10 अक्टुबर दीपावली (20 अक्टूबर फीका रहा। लोक सेवा के प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण न होने का एकमात्र दोषी जिले के समस्त पटवारियों को मानना व पूरे जिले के पटवारियों का वेतन रोकना किसी भी दृष्टि से विधि सम्मत नही है व प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त के विपरीत है। यह कि वेतन रोके जाने के उपरांत भी जिला अनूपपुर अंतर्गत पटवारियों द्वारा समस्त विभागीय कार्यों का निर्वहन न्यायालयीन प्रकरणों में प्रतिवेदन प्रेषित करना, जनसुनवाई, जनाकांक्षा, सी.एम. हेल्पलाईन आवेदनों के संबंध में निराकरण करना, निर्वाचन संबंधी कार्य एवं आपदा की स्थिति में सर्वे एवं क्षति प्रकरण तैयार करना आदि कार्य सुचारू रूप से किए जा रहे है। उपरोक्त संबंध में वेतन बहाल किये जाने हेतु जिलाध्यक्ष म.प्र. पटवारी संघ जिला अनूपपुर के द्वारा अनूपपुर कलेक्टर के समक्ष 03 नवम्बर को अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसका निराकरण आज दिनाँक तक नही हो पाया है। संभाग के समस्त पटवारी ने कमिश्नर से उक्त कार्यवाही को संज्ञान में लेते हुए जिला अनूपपुर अंतर्गत 2022 वारियों का माह सितंबर व अक्टूबर 2025 का वेतन बहाली आदेश व भुगतान कराये जाने की मांग की है। तीन दिवस में निराकरण न होने की स्थिति में संभाग शहडोल के समस्त पटवारी आंदोलन हेतु बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला स्तरीय प्रदर्शन 11 को

कलेक्टर को सौंपेंगे मुख्यमंत्री के नाम स्मरण पत्र

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के मुरैना मे 26 मार्च 2025 को हुए प्रदेश स्तरीय सम्मेलन मे पत्रकारों के हितों से जुडे मुद्दों पर जो वायदा किया था, उन्हे अभी तक पूरा नहीं किया गया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया के निर्देश पर तीन माह पूर्व सभी जिलों से पोस्टकार्ड अभियान चला कर मुख्यमंत्री को स्मरण कराने की कोशिश की गयी। कोई परिणाम ना निकलता देख कर अब मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश व्यापी आन्दोलन करने जा रहा है। इसके प्रथम चरण मे 11 नवम्बर मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों मे कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम स्मरण पत्र सौंपा जाएगा। जिसके लिये सभी जिलों मे प्रदेश पदाधिकारियों को प्रभारी नियुक्त किया गया है। अनूपपुर जिले मे जिलाध्यक्ष राजेश पयासी के नेतृत्व मे मंगलवार 11 नवम्बर की दोपहर तीन बजे पत्रकारगण मुख्यमंत्री डा मोहम यादव के नाम कलेक्टर हर्षल पंचोली को स्मरण पत्र सौपेंगे। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के 25 वें त्रिवर्षीय और दो दिवसीय मुरैना महाधिवेशन 2025 में 26 मार्च को मुख्यमंत्री को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 6 सूत्रीय मांगपत्र दिया था। उन्होने पत्रकारों की मांगों के संबंध में जल्द ही चर्चा कर निराकरण करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक मांगों के निराकरण का संकेत नही मिला। रतलाम इसके 3 माह बाद मंडला में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में सदस्यों ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अभी तक मांगों का निराकण नही हुआ और सरकार में ना ही इस आशय की कोई गतिविधि ही महसूस हुई। मुख्यमंत्री जी द्वारा 6 माह पूर्व मुरैना महाधिवेशन में की गई उनकी घोषणा का स्मरण दिलाने हेतु मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्मरण पत्र दिये जाने का निर्णय लिया गया। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की मांग है कि पत्रकार सुरक्षा कानून तत्काल लागू की जाये। भोपाल के मालवीय नगर स्थित पत्रकार भवन की भूमि जिसे कमल नाथ की कांग्रेस सरकार ने हमसे छीन लिया था हमें वापस की जाय। पत्रकार पेंशन योजना श्रद्धा निधि योजना में अधिमान्यता होने की शर्त हटाई जाए और उसे आजीवन देने का नियम बनाया जाय। मध्यप्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में पत्रकार भवन के लिए निशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाय। राज्य के पत्रकारों को टोल टेक्स से मुक्त करने की नियत से मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्यता कार्ड को मान्यता प्रदान की जाय। साथ ही प्रदेश से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गो के टोलनाकों पर अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को टोल फ्री सुविधा प्रदान की जाय। पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना को निःशुल्क करके सभी पत्रकारों को इसका लाभ पहुँचाने की योजना घोषित की जाये।